



1836

Σελ. 21

ἐξ ἀθηνῶν θ' 24 Σεπτεμβρίου. 1836.

Σοφὲ διδάσκαλε καὶ πατέρ,

Περισχῶ ἀγγεχίαν, καὶ παρασχῶ τὴν ἐμὴν
 δερμὴν φιλίαν ἵνα παραστήσῃς τὸς συνήδους αὐτῆς ὡς
 ἐσογγραφὴν συνεισφοράς καὶ ἀποδείξῃς ἂν παρῶ πρὸς
 ἐμὴν λαὶ αὐτῶν εὐόματα. Καταβαλῶσι δὲ τὸ μῆρρα μελέ-
 παια. Ἀλλ' ἐπὶ τόλῃς ἐκτενῶς ἐκτενῶς τὴν ἐμὴν
 κορυφὴν ἵνα μοι μεταδιδῶς ἐνίοτε καὶ τῶν σοφῶν αὐτῆς
 μελετῶν, πόρρον μὲν τὸ ἐμὸν ἐλπίδα, τὸ δὲ παναχηνίω
 ὄφελος συνεχὲς καὶ ἐπιτόσιον. Ἐστὶ τὸν πέποιδα, καὶ
 μοι μοι ἀπαριέσται τὴν χάριν, ἀδρότατον ἐσομένην δῶγμα
 τὸς πρὸς ἐμέσῃ φιλίᾳ. Πάντας ἡμᾶς ἀσπαζόμεθα
 ἐγὼ λαὶ καὶ οἱ σοφὲ ἐμὴ. Ζῆτε δὲ μεμασίως

Ἰωάν. Μιχαήλ Σχινῆ.



17
 18
 19
 20
 21
 22
 23
 24
 25
 26
 27
 28
 29
 30
 31
 32
 33
 34
 35
 36
 37
 38
 39
 40
 41
 42
 43
 44
 45
 46
 47
 48
 49
 50
 51
 52
 53
 54
 55
 56
 57
 58
 59
 60
 61
 62
 63
 64
 65
 66
 67
 68
 69
 70
 71
 72
 73
 74
 75
 76
 77
 78
 79
 80
 81
 82
 83
 84
 85
 86
 87
 88
 89
 90
 91
 92
 93
 94
 95
 96
 97
 98
 99
 100

(Swis. τραγονιστρα. νίκητρα αλκω-
 νι τι τι τράν. (τραγονιστρί)
 Τρηνεϊς, ι φέρων ελμωι οίτν
 ις θρπαγνις (νέδν. νελ.
 νν, λωι λρσι. ις. πνλι
 Κίλτρ Σορπλ) εβγνις
 νελίχον αλλι λς.
 θίρπν. αλλ
 19. 54.

19. 54.
 20. 54.
 21. 54.
 22. 54.
 23. 54.
 24. 54.
 25. 54.
 26. 54.
 27. 54.
 28. 54.
 29. 54.
 30. 54.
 31. 54.
 32. 54.
 33. 54.
 34. 54.
 35. 54.
 36. 54.
 37. 54.
 38. 54.
 39. 54.
 40. 54.
 41. 54.
 42. 54.
 43. 54.
 44. 54.
 45. 54.
 46. 54.
 47. 54.
 48. 54.
 49. 54.
 50. 54.
 51. 54.
 52. 54.
 53. 54.
 54. 54.
 55. 54.
 56. 54.
 57. 54.
 58. 54.
 59. 54.
 60. 54.
 61. 54.
 62. 54.
 63. 54.
 64. 54.
 65. 54.
 66. 54.
 67. 54.
 68. 54.
 69. 54.
 70. 54.
 71. 54.
 72. 54.
 73. 54.
 74. 54.
 75. 54.
 76. 54.
 77. 54.
 78. 54.
 79. 54.
 80. 54.
 81. 54.
 82. 54.
 83. 54.
 84. 54.
 85. 54.
 86. 54.
 87. 54.
 88. 54.
 89. 54.
 90. 54.
 91. 54.
 92. 54.
 93. 54.
 94. 54.
 95. 54.
 96. 54.
 97. 54.
 98. 54.
 99. 54.
 100. 54.

[Faint handwritten notes, possibly bleed-through from the reverse side.]

[illegible][illegible]

[The page contains dense handwritten text in a cursive script, likely from a manuscript. The text is written in dark ink on aged paper. There are several large, irregular stains or blotches across the page, particularly on the left side and bottom right. A prominent blue circular stain is visible near the center-left. The handwriting is somewhat difficult to decipher due to the cursive style and the presence of the stains.]